Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
BD-605

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination June – 2022

B.A. Darshan, Semester : Sixth

संस्कृत : प्रश्न-पत्र : पंचम

संस्कृत साहित्य

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. श्रीमद्भगवद्गीता के "मोक्षसंन्यासयोग" को स्पष्ट करते हुए संन्यास और त्याग की श्लोक सहित व्याख्या करें।
2. बृहदाण्यकोपनिषद् में वर्णित "अहं ब्रह्मास्मि" के भाव को स्पष्ट करें तथा ब्रह्म के स्वरूप को उपनिषदानुसार प्रमाणपूर्वक लिखें।
3. श्रीमद्भगवद्गीता के अठ्ारहवें अध्याय में वर्णित तीन प्रकार के ज्ञान को श्लोक सहित स्पष्ट करें।
4. श्वेताश्वतरोपनिषद् में दिये गये योगी के लक्षणों को श्लोक सहित समझाइये।
5. श्वेताश्वतरोपनिषदनुसार ब्रह्माण्ड का कारण, काल स्वभाव आदि लिखिए।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. याज्ञवल्क्य मैत्रेयी संवाद का सार लिखिए।
7. गीता के अठारहवें अध्यायानुसार सात्विक प्रकार के कर्त्ता को श्लोक सहित समझाइये।
8. श्वेताश्वतरोपनिषद् में वर्णित ईश्वर की सर्वव्यापकता को किसी एक मंत्र के द्वारा स्पष्ट करें।
9. "यत्तदग्रे विषमिव परिणामेऽमृतोपमम्।
   तत्सुखं सात्विकं प्रोक्तमात्मबुद्धिप्रसादजम्।।" - की अपने शब्दों में व्याख्या करें।
10. "हृदय" का अर्थ लिखिए।
11. "द" का अर्थ स्पष्ट करें।
12. श्वेताश्वतरोपनिषदानुसार ईश्वर प्राप्ति के क्या उपाय है?

----------x----------